Hindustan, Meerut, 07/11/2025
Page No: 4, Size: 18.81cm × 11.46cm

शहर में एलएनजी प्लांट लगाएगी गेल

- पीएनजी-सीएनजी का नेटवर्क लगातार बढ़ा रहा
- हैवी कॉमर्शियल व्हीकलों के लिए हो रहा इस्तेमाल

मेरठ, वरिष्ठ संवाददाता। शहर में 23 सीएनजी पंप और 1500 किलोमीटर लंबी गैस पाइप लाइन के जरिये 50 हजार से ज्यादा घरों में पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) कनेक्शन देने के बाद गेल गैस लिमिटेड शहर में लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) प्लांट लगाने जा रहा है। ये जानकारी गेल गैस लिमिटेड के महाप्रबंधक विनय कुमार ने गुरुवार को होटल हारमनी में एक कार्यक्रम में दी।

उन्होंने बताया कि कंपनियां अब एलएनजी चालित हैवी कॉमर्शियल व्हीकल्स बना रही हैं। इसे देखते हुए मेरठ शहर में भी एलएनजी प्लांट बहुत जरूरी हो गया है। विनय कुमार ने बताया कि गेल गैस लिमिटेड ने शहर में लगे कूड़े के पहाड़ के निपटान के लिए सीबीजी प्लांट लगाने के लिए भी नगर निगम से बात की है। विनय कुमार ने बताया कि पीएनजी एलपीजी के मुकाबले न केवल सस्ती पड़ती है बल्कि ज्यादा सुरक्षित भी है। विनय कुमार ने बताया कि कंपनी ने हाल ही में कैंट क्षेत्र में 7200 से ज्यादा पीएनजी कनेक्शन दिए हैं। सैनिकों के परिवारों को इससे बहुत सहूलियत मिली है

विनय कुमार, गेल गैस लि. महाप्रबंधक

गेल गैस लिमिटेड ने पीएनजी की निर्बाध आपूर्ति के लिए पाइप लाइन का ऐसा रिंग बना लिया है जो लाइन डैमेज होने या लीकेज होने की स्थिति में गैस आपूर्ति बाधित नहीं होगी। वरिष्ठ अधिकारी सैकत चक्रवर्ती मौजूद रहे।

Amar Ujala City, Meerut, 07/11/2025
Page No: 2, Size: 14.34cm × 18.79cm

अब शहर में लगाए जाएंगे एलएनजी-सीबीजी के प्लांट

माई सिटी रिपोर्टर

गेल की ओर से रिंग के रूप में बिछाई गई पाइपलाइन, गैस की आपूर्ति में नहीं होगी बाधा

मेरठ। गेल गैस की ओर से शहर में एलएनजी (लिक्विफाइड नेचुरल गैस) और नगर निगम के सहयोग से कंप्रेस्ड बायो गैस (सीबीजी) प्लांट भी स्थापित किया जाएगा। बृहस्पतिवार को गढ़ रोड स्थित होटल में हुई प्रेस मीट में गेल गैस के मुख्य महा प्रबंधक (सीजीएम) विनय कुमार ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि शहर में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) और कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की आपूर्ति में लगातार इजाफा हो रहा है। मेरठ में पीएनजी उपभोक्ता 50 हजार से ऊपर हो गए हैं। किफायती और सुरक्षित होने के कारण लगातार पीएनजी उपभोक्ता बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि लिक्विड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) का सब्सिडाइज्ड गैस सिलिंडर 850 रुपये का है जबकि पीएनजी में यह खर्च करीब 750 रुपये के करीब आता है। उन्होंने बताया कि एलपीजी हवा से भरी होती है। इसलिए लीकेज या रिसाव होने पर यह जमीन पर फैल जाती है। खिड़कियां जमीन से ऊंची होती हैं। इस कारण आग लगने पर कई बार बेहद तेज विस्फोट हो जाता है। दूसरी ओर पीएनजी बहुत हल्की होती है और जरा सी ही जगह मिलने पर निकल जाती है। इसमें आग लगने का खतरा भी न्यूनतम होता है।

उन्होंने कहा कि अगर पाइपलाइन क्षतिग्रस्त न हो तो एक मिनट भी पीएनजी बाधित नहीं हो सकती। मेरठ में ही 1500 से 1600 किलोमीटर तक रिंग के रूप में लाइन बिछाई गई है। अगर इसे सीधा करें तो यह लाइन मुंबई तक पहुंचाई जा सकती है। उन्होंने बताया कि रिंग के साइज में बिछाई गई लाइन के कारण अब किसी भी क्षेत्र में आपूर्ति बाधित होने पर इसे तुरंत दूसरी लाइन से जोड़कर घंटे भर में ही आपूर्ति फिर से बहाल कराई जा सकती है।

मुख्य महाप्रबंधक विनय कुमार ने बताया कि सीबीजी प्लांट के लिए काम चल रहा है। नगर निगम से बात की जा रही है। सीएनजी की सप्लाई के लिए सूरजकुंड स्थित डिपो में स्टेशन बनाने का प्रस्ताव था लेकिन वहां इसकी संभावना बेहद कम है। ऐसे में मासिक भुगतान पर गेल अपने किसी स्टेशन से निगम की गाड़ियों से सीएनजी की सप्लाई करेगा। विनय कुमार ने बताया कि अब कई वाहन निर्माता कंपनियों की ओर से एलएनजी किट वाले वाहन बनाए जा रहे हैं। इसमें बड़े-बड़े ट्रक, लोडर और कंटेनर शामिल हैं। मुख्य प्रबंधक साइकेट चक्रवर्ती ने जय गैस की आगामी योजनाओं के बारे में बताया।

Jagran City, Meerut, 07/11/2025
Page No: 1, Size: 33.92cm × 20.06cm

एक हजार किमी तक एलएनजी से दौड़ेंगे ट्रक, गेल गैस खोलेगा स्टेशन

40 प्रतिशत डीजल से सस्ती है एलएनजी

2,000 से अधिक छोटे ट्रक सीएनजी में हो चुके हैं परिवर्तित

जागरण संवाददाता, मेरठ : कुछ साल में ट्रकों से माल परिवहन सस्ता हो जाएगा और प्रदूषण स्तर में भी कमी आएगी। यह सब होने जा रहा है लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) से। हम सब कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) और कंप्रेस्ड बायो गैस (सीबीजी) सुनते आ रहे हैं। सीएनजी के दौर में निजी वाहनों के साथ ही अब छोटे ट्रक भी सीएनजी में परिवर्तित हो रहे हैं, लेकिन कुछ समय बाद एलएनजी वाले ट्रक सड़कों पर दौड़ते दिखाई देंगे। एलएनजी का ढांचा अभी एनसीआर या उत्तर भारत में मजबूत नहीं है। महाराष्ट्र, गुजरात में ऐसे ट्रक बड़ी संख्या में सड़कों पर दौड़ते हैं। मेरठ समेत एनसीआर में भी ऐसे ट्रक लाए जाएं इसलिए गेल गैस लिमिटेड एक साल के अंदर एलएनजी स्टेशन स्थापित करेगा। कंपनी का लक्ष्य है कि ढांचा विकसित हो जाएगा तब ट्रक भी आ जाएंगे।

जानकारी देते जीएम विनय कुमार ● जागरण

गढ़रोड स्थित होटल हारमनी इन में गुरुवार को आयोजित गेल गैस के सेमिनार में गेल गैस मेरठ के महाप्रबंधक विनय कुमार ने बताया कि व्यावसायिक वाहनों के लिए एलएनजी ही भविष्य है। डीजल से प्रदूषण होता है इसलिए उसका विकल्प तलाशा गया है। उन्होंने बताया कि वाहनों में सीएनजी की तुलना में एलएनजी अधिक मात्रा में भरी जाती है, इसलिए कई बड़ी कंपनियों ने एलएनजी ट्रक बनाने शुरू कर दिए हैं। इससे एक बार में गैस भरवाने पर एक हजार किमी तक वाहन दौड़ सकते हैं। गौरतलब है कि पेट्रोलियम मंत्रालय की ओर से प्रेस ट्रस्ट आफ इंडिया द्वारा जारी विज्ञप्ति में बताया गया था कि डीजल की तुलना में एलएनजी 40 प्रतिशत सस्ती पड़ती है। यही नहीं सल्फर डायआक्साइड (एसओएक्स) उत्सर्जन में 100 प्रतिशत कमी और नाइट्रोजन आक्साइड गैसों (एनओएक्स) के उत्सर्जन में 85 प्रतिशत कमी आएगी। मेरठ ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष गौरव शर्मा ने कहा, मेरठ में एलएनजी ट्रक नहीं हैं। हालांकि दो हजार से अधिक छोटे ट्रक जिनमें छह और चार टायर वाले शामिल हैं, वे सीएनजी में परिवर्तित कराए गए हैं। ओडिशा, छत्तीसगढ़, जम्मू एवं कश्मीर को छोड़कर बाकी राज्यों में अब सीएनजी वाले ट्रक भेजे जाने लगे हैं।

यह है एलएनजी

एलएनजी को लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) कहते हैं। जिन क्षेत्रों में पाइपलाइन से गैस भेजना संभव नहीं है वहां एलएनजी कंटेनर से भेजी जाती है। प्राकृतिक गैस को 160 डिग्री सेल्सियस तक ठंडा करके लिक्विड फार्म (तरल) में इस्तेमाल और ट्रांसपोर्टेशन किया जाता है, जिससे कि यह गैसीय मात्रा के मुकाबले 1/600वें हिस्से में रखी जा सके, इसलिए इसे लिक्विफाइड नेचुरल गैस कहते है। यह गैस कम जगह में अधिक भरी जा सकती है। प्राकृतिक गैसों में एलएनजी को अधिक शुद्ध माना जाता है।